Newspaper : Denik Jagran
Edition: Ludhiana | Date: 10th December, 2018 | Pg 02

दान 'दक्षिणा' से गुरुओं ने संवारे शिक्षा के मंदिर

बिंदु उप्पल • जगराओं (लुधियाना)

पंजाब सरकार का 'पढ़ो पंजाब, पढ़ाओ पंजाब' प्रोजेक्ट रंग ला रहा है। इसके तहत राज्य के विशेषकर ग्रामीण इलाकों में स्थित सरकारी स्कूल तेजी से स्मार्ट स्कूल में बदलने लगे हैं। उनका सुंदरीकरण भी तेजी से हो रहा है। यह संभव हो रहा है स्कूलों के शिक्षकों के समर्पित भाव से कार्य करने से। इस नेक कार्य में अहम आर्थिक योगदान दे रहे एनआरआइज व दानी लोग। जन सहयोग से मिले लाखों रुपये से स्कूलों का कायाकल्प कर पटियाला जिला पहले तो लुधियाना दूसरे स्थान पर है। सुंदरीकरण के बाद सरकारी स्कूल अब निजी स्कूलों को भी टक्कर देने लगे हैं। पटियाला में सबसे ज्यादा 65 तो लुधियाना में 46 स्कूलों की दशा और दिशा बदल गई है। पटियाला में 50 प्राइमरी और 8 सेकेंडरी स्कूलों के सुंदरीकरण का काम चल रहा है। लुधियाना में 70 प्राइमरी और 50 सेकेंडरी स्कूलों की सूरत बदली जा रही है।

सुशिक्षित समाज

4250 स्कूलों को स्मार्ट बनाने का लक्ष्य : स्कूल शिक्षा सचिव कृष्ण कुमार बताते हैं कि राज्य में करीब 13,000 प्राइमरी स्कूल व 7000 मिडिल, हाई और सेकेंडरी स्कूल हैं। 'पढ़ो पंजाब, पढ़ाओ पंजाब' प्रोजेक्ट के तहत सरकारी स्कूलों के सुंदरीकरण और स्मार्ट स्कूल के लिए पहले 45 शिक्षक सामने आए। उन्होंने अपने स्तर पर गांवों व शहरों के दानी सज्जनों के सहयोग से अपने स्कूलों का सुंदरीकरण किया। फिर इन 45 शिक्षकों से बैठक कर उनको अन्य दस-दस स्कूल गोद ले उनका नवीनीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे जुलाई 2017 से मई जून-2018 तक 425 स्कूलों का सुंदरीकरण कर स्मार्ट बनाया गया। फिर उन 425 स्कूलों के शिक्षकों ने अन्य 10-10 स्कूलों का नवीनीकरण करने की जिम्मेवारी खुद ली है। अब 31 मार्च 2019 तक 4250 स्कूलों के सुंदरीकरण और उनको स्मार्ट बनाने का लक्ष्य है। 1750 स्कूलों में नवीनीकरण का काम चल रहा है। कृष्ण कुमार ने कहा कि यह सब शिक्षकों के टीम वर्क से हुआ है, जो सराहनीय है।

लुधियाना जिले के स्मार्ट स्कूल के असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर संजीव कुमार का कहना है कि सरकारी स्कूलों के सुंदरीकरण के लिए दानी सज्जन पेंट, फर्नीचर, ईंटे, लकड़ी, वर्दियां, जूते, वाटर-कूलर, स्मार्ट बोर्ड स्क्रीन प्रोजेक्टर, झूले और पैसे देते हैं। दानी सज्जन जगजीत सिंह सिद्धू पक्केवाला हमारे योगदान से सरकारी स्कूल स्मार्ट होंगे तो सभी वर्गों के लोग अपने बच्चों को इनमें पढ़ाना चाहेंगे।

जिला लुधियाना के एक सरकारी प्राइमरी स्कूल का बाहरी • जागरण

शिक्षकों की बदली सोच

सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जगराओं के कॉमर्स लेक्चरर सतनाम सिंह कहते हैं कि शिक्षकों की सोच में बदलाव आया है। अब वे स्कूल शिक्षा का माहौल तैयार करने में जुटे हैं।

जिलों में स्कूलों के सुंदरीकरण की है यह स्थिति

जिला	काम पूरा	काम जारी (प्राइमरी)	काम जारी (सेकेंडरी)
पटियाला	65	50	08
लुधियाना	46	70	50
बठिंडा	30	40	13
कपूरथला	30	35	00
जालंधर	29	71	15
अमृतसर	12	32	10

सराहनीय पहल

- बिना सरकारी मदद सरकारी स्कूलों की बदली सूरत
- पटियाला में सबसे ज्यादा स्कूल बने सुंदर और स्मार्ट

'पढ़ो पंजाब, पढ़ाओ पंजाब' के तहत ऐसे ला रहें बदलाव

'पढ़ो पंजाब, पढ़ाओ पंजाब' प्रोजेक्ट के तहत सरकारी सीनियर सेकेंडरी, हाई व एलीमेंट्री स्कूलों के अध्यापकों को बच्चों को आधुनिक सुविधाओं और तकनीकों की मदद से पढ़ाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण में संबंधित सहायक सामग्री का इस्तेमाल कर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी जाती है। इसके तहत बच्चों के शारीरिक विकास को देखते हुए स्कूलों के खेल-मैदानों के सही प्रयोग और इमारतों की दीवारों पर ज्ञान से भरपूर तस्वीरें बनाकर पढ़ाने पर जोर दिया जाता है। बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाता है। उन्हें साफ पानी उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/Positive-news

संपादकीय पढ़ें
>> स्कूलों का कायाकल्प